व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

खाद्य प्रसंस्करण - हल्दी पाउडर

के लिए

स्वयं सहायता समूह - राधा

SHG/CIG नाम	राधा
वीएफडीएस नाम	त्रिन्द महादेव
श्रेणी	जयसिंहपुर
विभाजन	पालमपुर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषय-सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	5
5.	कार्यकारी सारांश	6
6.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
7.	उत्पादन प्रक्रियाएं	6-8
8.	उत्पादन योजना	8-9
9.	बिक्री और विपणन	9
10.	स्वोट अनालिसिस	9-10
11।	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	11-12
13.	आय और व्यय का विश्लेषण	12
14.	निधि की आवश्यकता	12
15.	निधि के स्रोत	13
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	13
18.	बैंक ऋण चुकौती	14
19.	निगरानी विधि	14
20.	टिप्पणी	14
21.	समूह सदस्य की तस्वीरें	15
22.	समूह फोटो	16
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	17
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	18

1 परिचय-

राधा SHG का गठन 20-09-2022 को हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (JICA सहायता प्राप्त) के तहत किया गया है, जो VFDS त्रिंद महादेव और रेंज जयसिंहपुर के अंतर्गत आता है। इस SHG में 18 महिलाएँ हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से हल्दी पाउडर तैयार करने को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में तय किया। लेकिन 24 मई 2023 को आयोजित मासिक बैठक में, उन्होंने अपने IGA को अचार बनाने से बदलकर हल्दी की खेती कर लिया। साथ ही कुछ सदस्यों ने समूह छोड़ दिया और अब अप्रैल 2023 से सदस्यों की कुल संख्या 7 है। इन महिलाओं को पहले से ही हल्दी उगाने का अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से। वे कम कीमत पर कच्ची हल्दी बेचने के बजाय हल्दी पाउडर को उत्पाद के रूप में बाजार में बेच सकेंगी।

हल्दी सबसे पुरानी खेती वाली फसलों में से एक है जिसे भारत में कई हज़ार सालों से उगाया जाता रहा है। हल्दी, भारतीय व्यंजनों में मुख्य मसाला पाउडर है, जिसे कई लोग बीमारी से लड़ने और संभावित रूप से बीमारी को दूर करने के लिए ग्रह पर सबसे शक्तिशाली जड़ी बूटी मानते हैं।

हल्दी पारंपरिक रूप से अपने पाक और औषधीय गुणों के लिए जानी जाती है। यह बहुउपयोगी उत्पादों में से एक है जिसमें कई मूल्यवान गुण और उपयोग हैं। इसका व्यापक रूप से भोजन, कपड़ा, दवा और कॉस्मेटिक उद्योगों में उपयोग किया जाता है।

2.एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	राधा
2.	वीएफडीएस	त्रिन्द महादेव
3.	श्रेणी	जयसिंहपुर
4.	विभाजन	पालमपुर
5.	गाँव	बसुन भगलाड
6.	अवरोध पैदा करना	लंबागांव
7.	ज़िला	कांगड़ा
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	7
9.	गठन की तिथि	20.09.2022
10.	बैंक खाता सं.	50075019365
11।	बैंक विवरण	केसीसी बैंक वाहे – दा – पट आईएफएससी कोड KACE0000084
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	50 प्रति सदस्य
13.	कुल बचत	मार्च तक 6300
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

क्र.सं.	नाम	एम /एफ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	नीलम कुमारी	एफ	अजीत सिंह	सामान्य	परधान	96823-08813
2	अरुणा कुमारी	एफ	विनोद राणा	सामान्य	सचिव	98166-54084
3	रीता देवी	एफ	दिलबाग सिंह	सामान्य	सदस्य	78764-24137

4	सकौना देवी	एफ	दीना नाथ	सामान्य	सदस्य	81269-64733
5	सत्या देवी	एफ	मस्तराम	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	98052-73139
6	ललिता देवी	एफ	सुरेश कुमार	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	88944-58422
7	अंजलि	एफ	सुरिंदर कुमार	सामान्य	सदस्य	98168-97135

3. लाभार्थियों का विवरण

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	85 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	50 मीटर
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	जयसिंहपुर और 20 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	जयसिंहपुर और 20 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	✧ पालमपुर और 30किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	✧ पालमपुर और 30किमी

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा खाद्य प्रसंस्करण (हल्दी पाउडर) आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा शुरू में हल्दी का पाउडर बनाया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। पाउडर बनाने की प्रक्रिया में लगभग 8-10 दिन लगते हैं। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, सुखाने, ग्रेडिंग, पीसने आदि जैसी प्रक्रियाएँ शामिल हैं। शुरुआत में समूह कच्ची हल्दी का पाउडर बनाएगा लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो इसी प्रक्रिया का पालन करते हैं। उत्पाद को शुरू में समूह द्वारा सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और पास के बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	हल्दी पाउडर
2	उत्पाद पहचान की विधि	द्वारा निर्णय लिया गया है समूह के सदस्यों को
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

- कटाई-
  - ✧ किस्म के आधार पर, फसल कटाई के लिए तैयार हो जाती है - किस्में 7-8 महीने में पकती हैं, मध्यम किस्में 8-9 महीने में पकती हैं।
  - ✧ परिपक्व होने पर पत्तियां सूख जाती हैं और हल्के भूरे से पीले रंग की हो जाती हैं
  - ✧ भूमि को जोता जाता है और प्रकंदों को हाथ से इकट्ठा किया जाता है तथा सावधानीपूर्वक कुदाल से उठाया जाता है।
  - ✧ काटे गए प्रकंदों को कीचड़ और अन्य बाहरी चीजों से साफ किया जाता है।
  - ✧ उंगलियों को माँ प्रकंदों से अलग किया जाता है। माँ प्रकंद सामग्री।

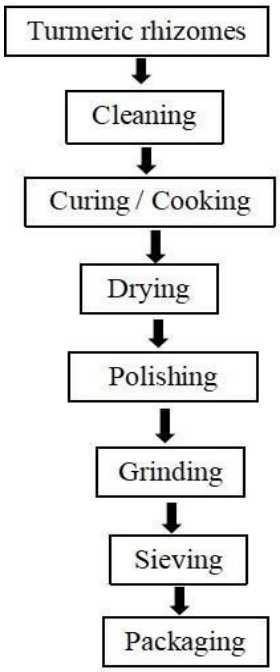

❖ प्रसंस्करण-

✧ <u>पसीना आना</u>

हल्दी को जमीन से खोदने के बाद, पत्तियों को पौधे से अलग कर दिया जाता है और जड़ों को सावधानीपूर्वक धोया जाता है ताकि सारी अशुद्धियाँ दूर हो जाएँ। पत्तियों की पपड़ियाँ और लंबी जड़ें काट दी जाती हैं और प्रकंद और शाखाओं को अलग करके पत्तियों से ढक दिया जाता है और फिर एक दिन के लिए पकने के लिए छोड़ दिया जाता है।

✧ <u>इलाज</u>

हल्दी का सूखा रूप पाने के लिए इसे सुखाया जाता है। इसे धोने के बाद, प्रकंदों को पानी में उबाला जाता है और धूप में सुखाया जाता है। उबलने की प्रक्रिया 45-60 मिनट तक चलती है जब तक कि प्रकंद नरम न हो जाए। उबलना आमतौर पर तब बंद हो जाता है जब बाहर आता है और सफेद धुआँ दिखाई देता है जो एक विशिष्ट गंध देता है। जिस चरण में उबलना बंद किया जाता है, वह अंतिम उत्पाद के रंग और सुगंध को अत्यधिक प्रभावित करता है।

✧ <u>सुखाने</u>

हल्दी को सुखाने के बाद अगला चरण है उसे सुखाना। सुखाने के लिए फर्श या बांस की चटाई का उपयोग करके हल्दी की 5-7 सेमी मोटी परत धूप में फैला दी जाती है। इसे ठीक से सूखने में 10-15 दिन लगते हैं। रात में हल्दी को हवा देने वाली सामग्री से ढक दिया जाता है।

✧ <u>चमकाने</u>

सूखने के बाद इसकी बाहरी सतह खुरदरी और सुस्त हो जाती है, जिस पर तराजू और जड़ के निशान होते हैं। पॉलिश करने से इसकी दिखावट में सुधार होगा और इसके लिए मुख्य रूप से मैनुअल और मैकेनिकल रबिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

✧ रंग

हल्दी का रंग बहुत मायने रखता है, क्योंकि उत्पाद के रंग के अनुसार ही इसकी कीमत तय की गई है।

✧ पिसाई

पॉलिश की गई हल्दी की उंगलियों को पीसने की प्रक्रिया से गुज़ारा जाता है। पीसना सबसे आम प्रक्रियाओं में से एक है जिसका उपयोग उपभोग और पुनर्विक्रय के लिए हल्दी पाउडर तैयार करने के लिए किया जाता है। विशेष मसाला पीसने का मुख्य उद्देश्य स्वाद और रंग के मामले में अच्छी उत्पाद गुणवत्ता के साथ छोटे कण आकार प्राप्त करना है। इस प्रक्रिया के लिए विभिन्न परिवेश पीसने वाली मिलें और विधियाँ उपलब्ध हैं; जैसे कि हैमर मिल, एट्रिशन मिल और पिन मिल। भारत में, पारंपरिक रूप से, हल्दी पीसने के लिए प्लेट मिल और हैमर मिल का उपयोग किया जाता है।

✧ sieving

पिसे हुए मसालों को छलनी के माध्यम से आकार के अनुसार छांटा जाता है, और बड़े कणों को और भी पीसा जा सकता है। आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली छलनी 60 - 80 मेश आकार की होती हैं।

✧ पैकेजिंग और भंडारण

हल्दी को पॉलीथीन से लेपित एयर-टाइट पेपर बैग में पैक किया जाता है। साथ ही, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, इसे सूखे भंडारण में और प्रकाश से दूर रखा जाता है। ताकि हल्दी में मौजूद नमी की उचित मात्रा न खो जाए।

8. उत्पादन योजना -

1.	हल्दी पाउडर का उत्पादन चक्र (दिनों में) 8-10 दिन	
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या)	सभी महिलाएं
3.	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्यबाज़ार
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
5.	मात्रा आवश्यक प्रतिमहीना (किलोग्राम)	600
6.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (किलोग्राम)	600

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा(लगभग)	मात्रा प्रति किलोग्राम (रु. में)	कुल राशि	अपेक्षित उत्पादन प्रति माह (किग्रा)
1	कच्ची हल्दी	किलोग्राम	महीने के	600	50	30,000	600

9. बिक्री और विपणन -

1	संभावना बाज़ारस्थानों	जयसिंहपुर, शिवनगर
2	इकाई से दूरी	जयसिंहपुर - 20 किमी
3	उत्पादन बाजार की मांग स्थानों	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद को निकटवर्ती बाजार में बेचा जाएगा। बाजार.
5	विपणन रणनीति का theउत्पाद	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे गांव की दुकानों और विनिर्माण केंद्रों के माध्यम से अपने उत्पाद बेचेंगे।जगह/दुकान। खुदरा विक्रेता, पास के बाजारों के थोक विक्रेता द्वारा भी। शुरुआत में उत्पाद यहाँ बेचा जाएगा
6	उत्पाद ब्रांडिंग	5,1 और 0.5 किलोग्राम प्रति पैकेजिंग। सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है स्तर
7	उत्पाद "नारा"	" राधा ऑर्गेनिक हल्दी"

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.

- ✧ उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
- ✧ उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।
- ✧ घर का बना, कम लागत.

❖ कमजोरी-

- ✧ विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- ✧ अत्यधिक श्रम गहन कार्य.
- ✧ अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करें।

❖ अवसर- लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम है।

- ✧ दुकानों, फास्ट फूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, कैंटीन, रेस्तरां, शेफ और रसोइयों, गृहिणियों, सौंदर्य उत्पाद बनाने वाले सौंदर्य ब्रांडों और दवा कंपनियों द्वारा उच्च मांग।
- ✧ बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
- ✧ दैनिक उपभोग.

❖ खतरे/जोखिम-

- ✧ विनिर्माण एवं पैकेजिंग के समय तापमान एवं नमी का प्रभाव, विशेषकर सर्दियों एवं बरसात के मौसम में।
- ✧ कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।
- ✧ प्रतिस्पर्धी बाजार.

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

❖ कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।

❖ कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।

❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	हल्दी के बीज	100	75	7,500
2	चक्की मशीन	1	30,000	30,000
3	भंडारण टैंक	1	3,000	3,000
4	रसोईघर के उपकरण		रास	4,000
5	हाथ से संचालित पैकिंग मशीन	1	10,000	10,000
कुल पूंजी लागत (ए) =			54,500	

बी. आवर्ती लागत					
एस। नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा माल	महीना	600	50	30,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	2000	2000
4	परिवहन	महीना	1	1000	1000
5	अन्य (स्टेशनरी, बिजली, पानी का बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	1	1500	1500
कुल आवर्ती लागत (बी) = 35,500					

सी. उत्पादन की लागत		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	35,500
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	5450
कुल = 40950		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	उत्पादन की लागत	किलोग्राम	80
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
3	अपेक्षित विक्रय मूल्य	किलोग्राम	200

13. आय एवं व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	5450
2	कुल आवर्ती लागत	35,500
3	कुल उत्पादन (किग्रा)	600
4	विक्रय मूल्य (प्रति किलोग्राम)	200
5	आय सृजन (200*1500)	1,20,000
6	शुद्ध लाभ	84500
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आगे के लिए किया जाएगा आईजीए में निवेश

14. निधि की आवश्यकता -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजी लागत	54,500	40,875	13,625
2	कुल आवर्ती लागत	35,500	0	35,500

3	प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन-उन्नयन.	50,000	50,000	0
कुल		140,000	90,875	49,125

15. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि समूह सामान्य श्रेणी से संबंधित है तो परियोजना द्वारा पूंजीगत लागत का 50% प्रदान किया जाएगा और यदि समूह अन्य श्रेणी से संबंधित है तो 75% प्रदान किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूह को मूलधन की किश्तें चुकानी होंगी नियमित आधार पर.	खरीद मशीनों/उपकरणों की संख्या होना होगा संबंधित DMU/FCCU द्वारा अनुसरण करने के बाद सभी कोडल औपचारिकताएं.
स्वयं सहायता समूह योगदान	✧ यदि सदस्य सामान्य श्रेणी से संबंधित है तो पूंजीगत लागत का 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा और यदि अन्य श्रेणी से संबंधित है तो 25%। लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित है और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्तानियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन लागत (प्रति किग्रा))

= 54500/ (200-80)

= 454 किलोग्राम

इस प्रक्रिया में 454 किलोग्राम पाउडर बेचने के बाद लाभ-हानि की स्थिति प्राप्त हो जाएगी।

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणियाँ

सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को वहन करना होगा शेष 75%। भविष्य में, समूह अन्य प्रजातियों का पाउडर भी बनाएगा जो समान प्रक्रिया का पालन करेगा और समान मशीनों की आवश्यकता होगी।

21. समूह सदस्य फ़ोटो:

नीलम कुमारी

अरुणा कुमारी

रीता देवी

सकीना देवी

सत्या देवी

ललिता देवी

अंजलि देवी

22. समूह फोटो:

23. संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र

Revised

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Radha held on 05-01-25 at Trind Mahadev that our group will undertake the Haldi as livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Signature of group President

Signature of group secretary

प्रधान..... सचिव.....
राधा स्वयं सहायता समूह भगलाल बसं
ग्राम पंचायत पपलाह, तह. जयसिंहपुर
वि. ख. लम्बागांव, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

Signature of President VFDS

Lalita Devi

ग्राम वन विकास समिति त्रिण्ड महादेव
ग्राम पंचायत पपलाह
तह. जयसिंहपुर
जि. कांगड़ा

24. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन

Revised

Business Plan Approval by VFDS and DMU

Radha Group will undertake the Haldi as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management and Livelihood (JICA assisted). In this regard business Plan of Amount Rs. 140000 has been submitted by the group on 05-01-25 and the business Plan has been approved by VFDS Trind Mahadev

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Signature of group President

Signature of group secretary

प्रधान..... सचिव.....
राधा स्वयं सहायता समूह भगलाल बसूं
ग्राम पंचायत पपलाह तह. जयसिंहपुर,
वि. ख. लम्बागांव, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

Lalita Devi
Signature of President VFDS

प्रधान
ग्राम वन विकास समिति त्रिण्ड महादेव
ग्राम पंचायत पपलाह
जयसिंहपुर
कांगड़ा

Approved

DMU cum DFO Palampur

Divisional Management Unit,
Palampur Forest Division,
Palampur